



Ashish

12 Sep 2004

07:30 PM

Ujjain

Model: web-freekundliweb

Order No: 121392811

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 12/09/2004  
दिन \_\_\_\_\_: रविवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 19:30:34 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 33:15:28 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Ujjain  
राज्य \_\_\_\_\_: Madhya Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 23:11:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 75:50:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:26:40 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 19:03:54 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:03:46 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 18:31:33 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:12:22 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:32:56 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:20:33 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: शरद  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 26:12:58 सिंह  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 16:36:23 मीन

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मघा - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: सिद्ध  
करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: मूषक  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: वनचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: मा-माणिक  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कन्या



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 9 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
12/09/2004 07/07/2010	07/07/2010 07/07/2030	07/07/2030 06/07/2036	06/07/2036 07/07/2046	07/07/2046 06/07/2053
12/09/2004	शुक्र 05/11/2013	सूर्य 24/10/2030	चंद्र 07/05/2037	मंगल 03/12/2046
शुक्र 01/02/2005	सूर्य 05/11/2014	चंद्र 25/04/2031	मंगल 06/12/2037	राहु 21/12/2047
सूर्य 09/06/2005	चंद्र 06/07/2016	मंगल 31/08/2031	राहु 07/06/2039	गुरु 26/11/2048
चंद्र 08/01/2006	मंगल 05/09/2017	राहु 24/07/2032	गुरु 06/10/2040	शनि 05/01/2050
मंगल 06/06/2006	राहु 05/09/2020	गुरु 13/05/2033	शनि 07/05/2042	बुध 02/01/2051
राहु 25/06/2007	गुरु 07/05/2023	शनि 25/04/2034	बुध 06/10/2043	केतु 31/05/2051
गुरु 31/05/2008	शनि 07/07/2026	बुध 01/03/2035	केतु 06/05/2044	शुक्र 31/07/2052
शनि 10/07/2009	बुध 07/05/2029	केतु 07/07/2035	शुक्र 05/01/2046	सूर्य 05/12/2052
बुध 07/07/2010	केतु 07/07/2030	शुक्र 06/07/2036	सूर्य 07/07/2046	चंद्र 06/07/2053

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
06/07/2053 07/07/2071	07/07/2071 07/07/2087	07/07/2087 08/07/2106	08/07/2106 08/07/2123	08/07/2123 00/00/0000
राहु 19/03/2056	गुरु 24/08/2073	शनि 10/07/2090	बुध 03/12/2108	केतु 04/12/2123
गुरु 12/08/2058	शनि 06/03/2076	बुध 19/03/2093	केतु 01/12/2109	शुक्र 13/09/2124
शनि 18/06/2061	बुध 12/06/2078	केतु 28/04/2094	शुक्र 30/09/2112	00/00/0000
बुध 06/01/2064	केतु 19/05/2079	शुक्र 27/06/2097	सूर्य 07/08/2113	00/00/0000
केतु 23/01/2065	शुक्र 17/01/2082	सूर्य 09/06/2098	चंद्र 06/01/2115	00/00/0000
शुक्र 24/01/2068	सूर्य 05/11/2082	चंद्र 09/01/2100	मंगल 04/01/2116	00/00/0000
सूर्य 18/12/2068	चंद्र 06/03/2084	मंगल 17/02/2101	राहु 23/07/2118	00/00/0000
चंद्र 18/06/2070	मंगल 10/02/2085	राहु 25/12/2103	गुरु 28/10/2120	00/00/0000
मंगल 07/07/2071	राहु 07/07/2087	गुरु 08/07/2106	शनि 08/07/2123	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 9 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृत्ति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशां वित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रुचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृत्ति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृत्ति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपके धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करते रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृत्ति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृत्ति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्त्वाकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

